परमेश्वर की दो अटल बातें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

इब्रानियों 6:17–19

विषय: विश्वासियों के लिए परमेश्वर की प्रतिज्ञा और शपथ आत्मा का लंगर

प्रस्तावना

हमारे मसीही जीवन में कभी-कभी विश्वास डगमगा सकता है—परीक्षाओं, संदेहों या अनिश्चितताओं के कारण। लेकिन पवित्रशास्त्र हमें एक मजबूत आधार देता है—दो अटल बातें, जो हमारी आत्मा के लिए स्थिर लंगर का कार्य करती हैं। ये केवल विचार नहीं, बल्कि परमेश्वर के अटल चरित्र और स्वभाव पर आधारित दिव्य सच्चाइयाँ हैं।

1. प्रसंग: अब्राहम के साथ परमेश्वर का व्यवहार

इस सच्चाई को समझने के लिए हमें अब्राहम की ओर लौटना होगा। परमेश्वर ने उससे अद्भुत प्रतिज्ञा की—कि वह बहुत सी जातियों का पिता बनेगा और उसके वंश से सारी जातियाँ आशीष पाएँगी (उत्पत्ति 12:1–3; 15:5–6)।

बाद में, जब अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बलिदान के लिए अर्पित करने में आज्ञाकारिता दिखाई, तब परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा को शपथ खाकर स्थिर किया:

परमेश्वर की दो अटल बातें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

उत्पत्ति 22:16–17 (ERV-HI):

“यहोवा ने कहा, ‘मैं अपनी ही शपथ खाकर कहता हूँ कि क्योंकि
तूने यह काम किया है… मैं तुझे आशीष दूँगा और तेरे वंश को
आकाश के तारों और समुद्र किनारे की रेत के समान असंख्य कर दूँगा।’”

इब्रानियों 6:16 (ERV-HI):

“लोग तो अपने से बड़े की शपथ खाकर वचन को स्थिर करते हैं और
इस रीति से हर विवाद का अंत कर देते हैं।”

परमेश्वर ने, क्योंकि उससे बड़ा कोई नहीं है, स्वयं की शपथ खाई। यह इसलिए नहीं कि उसका वचन अधूरा था, बल्कि इसलिए कि हमें पूर्ण विश्वास और आश्वासन मिले।

2. वे दो अटल बातें कौन-सी हैं?

इब्रानियों 6:18 हमें बताता है—

परमेश्वर की दो अटल बातें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

1. परमेश्वर की प्रतिज्ञा (उसका वचन):
परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता, इसलिए उसकी प्रतिज्ञाएँ सदैव सत्य हैं (तीतुस 1:2)। अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञा केवल उसके लिए नहीं थी, बल्कि भविष्य की ओर इशारा करती थी—यीशु मसीह की ओर।

2. परमेश्वर की शपथ (उसका अटल आश्वासन):
शपथ ने इस वचन को और दृढ़ बना दिया। इसका अर्थ है—“यह ठहर चुका है, इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।”
नए नियम में भी परमेश्वर ने यीशु को सदा का महायाजक ठहराने के लिए शपथ खाई।

3. यीशु मसीह में परिपूर्णता

अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञा का पूर्णत्व यीशु मसीह में हुआ।

गलातियों 3:16 (ERV-HI):

“परमेश्वर ने प्रतिज्ञाएँ अब्राहम और उसके वंश से की थीं…

और वह वंश एक ही है—मसीह।”

इसी प्रकार, यीशु का याजकत्व भी शपथ के द्वारा स्थिर किया गया:

इब्रानियों 7:21 (ERV-HI):

परमेश्वर की दो अटल बातें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

“…परन्तु वह तो शपथ के द्वारा याजक ठहराया गया था जब परमेश्वर ने कहा: ‘प्रभु ने शपथ खाई है और वह अपने मन को नहीं बदलेगा: तू सदा के लिए याजक है।’”

इस प्रकार, यीशु उस नए वाचा का जमानतदार ठहरा, जो अनुग्रह पर आधारित है, न कि व्यवस्था पर।

4. हमारी आत्मा का लंगर

इब्रानियों 6:19 (ERV-HI):

“यह आशा हमारी आत्मा का ऐसा लंगर है जो स्थिर और अटल है, और
वह पर्दे के भीतर पवित्र स्थान में प्रवेश करता है।”

मसीह में हमारी आशा कोई कल्पना नहीं, बल्कि परमेश्वर के अटल वचन और शपथ पर आधारित दृढ़ अपेक्षा है।
“पर्दे के भीतर” का अर्थ है—परमपवित्र स्थान, जहाँ पुराने नियम में केवल महायाजक प्रवेश करता था।
अब यीशु हमारी ओर से वहाँ प्रवेश कर चुका है (इब्रानियों 6:20), और हमें सीधे परमेश्वर की उपस्थिति में आने का अधिकार दे दिया

परमेश्वर की दो अटल बातें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

है (इब्रानियों 4:16)।

5. आज के विश्वासियों के लिए शिक्षा

क्योंकि परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा और शपथ दोनों से हमें आश्वासन दिया है, इसलिए हम—

मसीह में अपने उद्धार पर पूरा भरोसा रख सकते हैं।
परमेश्वर की योजना की स्थिरता में विश्राम कर सकते हैं।
कठिनाइयों में भी उत्साहित रह सकते हैं, क्योंकि हमारी आशा स्वर्ग में स्थिर है।
विश्वास और आज्ञाकारिता में निडर होकर जी सकते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने वादा किया है कि वह हमें कभी नहीं छोड़ेगा (इब्रानियों 13:5)।

आत्मिक आह्वान

सच्ची आशा केवल यीशु में है। 2 कुरिन्थियों 1:20 (ERV-HI):

“परमेश्वर की जितनी भी प्रतिज्ञाएँ हैं, वे सब मसीह में
‘हाँ’ हो गई हैं।”

यदि आपने यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता ग्रहण नहीं किया

परमेश्वर की दो अटल बातें

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

है, तो आज ही निर्णय लीजिए। उसकी प्रतिज्ञा पर भरोसा कीजिए—वह कभी उन लोगों को नहीं छोड़ेगा जो उसके पास आते हैं।

निष्कर्ष

परमेश्वर की दो अटल बातें—उसकी प्रतिज्ञा और उसकी शपथ—हमेशा यह प्रमाण देती हैं कि हम उस पर पूरा भरोसा कर सकते हैं। हमारा उद्धार किसी भावना या संयोग पर नहीं, बल्कि परमेश्वर के अटल चरित्र और यीशु मसीह के पूरे किए हुए कार्य पर आधारित है।

आशीषित रहो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp